

Q

Printed Pages : 8

B.A.M.S. (I-Year) (Prof.)

Roll No. : 1830708101030

**8001**

**B.A.M.S. (I - Year) (Professional) Examination, 2018**

**PADARTH VIGYAN AVAM AYURVED  
KA ITIHAS**

**[ First Paper ]**

**Time : Three Hours]**

**[Maximum Marks : 100**

**Note :** This question paper is divided into three sections A, B and C. Follow instruction given in each section. The candidates are required to answer only in serial order. If there are many parts of a question, answer them in continuation.

**नोट :** यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों अ, ब एवं स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों का पालन कीजिए। अभ्यर्थी प्रश्न के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जायें।

**Section-A / खण्ड-अ**

**(Very Short Answer Type Questions)**

**(अति लघुउत्तरीय प्रश्न)**

8001/220

( 1 )

[P.T.O.]





**COLLECTION OF VARIOUS**  
**-> HINDUISM SCRIPTURES**  
**-> HINDU COMICS**  
**-> AYURVEDA**  
**-> MAGZINES**

**FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)**

**Made with**



**By**

**Avinash/Shashi**

**Icreator of  
hinduism  
server!**

 **KAPWING**



**Note :** This section contains only one question which consists of **ten** sub-questions. **All** sub-questions are **compulsory**. Word limit for each sub-question is **30** words. Each sub-question carries **2** marks.

**नोट :** इस खण्ड में एक प्रश्न है, जिसके दस उप-प्रश्न हैं। इसमें प्रत्येक उप-प्रश्न की शब्द सीमा **30** शब्द है। इस खण्ड के सभी उप-प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक उप-प्रश्न **2** अंकों का है।

1. Write in short on the following :

निम्नलिखित पर संक्षिप्त में लिखिए :

(a) Write the aim of ayurveda.

आयुर्वेद का उद्देश्य लिखिए ?

(b) Types of Antaschetan Dravya.

अन्तश्चेतन द्रव्य के भेद।

(c) Lakshan of Akash Mahabhoota.

आकाश महाभूत के लक्षण।

(d) Propounder of Mimansa Darshan

मीमांसा दर्शन के प्रवर्तक।

(e) Main function of Snigdha Guna according to Hemadri.

हेमाद्रि के अनुसार स्निग्ध गुण का मुख्य कर्म।

(f) Which indriya has the dominance of Agni Mahaboota ?

किस इन्द्रिय में अग्नि महाभूत की अधिकता होती है ?

(g) Write the Lakshan of Vishesha.

विशेष का लक्षण लिखिए।

(h) Nirukti of Karma.

कर्म की निरुक्ति।

(i) Types of Disha.

दिशा के भेद

(j) Qualities of Mana

मन के गुण

### Section-B / खण्ड-ब

#### (Short Answer Type Questions)

(लघुउत्तरीय प्रश्न)

**Note :** Attempt **all** questions of this section. Each question carries **5** marks. Answer should not exceed **100** words.

**नोट :** इस खण्ड के सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है। उत्तर 100 शब्दों में लिखिए।



2. Explain any ten Guruvadi gunas according to Hemadri.

हेमाद्रि के अनुसार कोई दस गुर्वादि गुणों का वर्णन कीजिए।

3. Describe Lakshan and practical application of Samanya in Ayurveda.

सामान्य के लक्षण एवं आयुर्वेद में सामान्य की व्यवहारिक उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

4. Explain the significance of Abhava in Ayurveda.

आयुर्वेद में अभाव का महत्व स्पष्ट कीजिए।

5. Write the Lakshan and classification of Siddhanta.

सिद्धान्त का लक्षण एवं भेद लिखिए।

### Section-C / खण्ड-स

#### (Long Answer Type Questions)

#### (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**Note :** Attempt **all** questions of this section. Each question carries **15** marks. Answer should not exceed **300** words.

**नोट :** इस खण्ड के सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **15** अंकों का है। उत्तर **300** शब्दों में लिखिए।

6. Discuss the effect of philosophies in Ayurveda. Ayurveda has fundamental philosophy. Prove it.

आयुर्वेद में दर्शनों के प्रभाव का वर्णन करते हुए, आयुर्वेद का स्वतंत्र मौलिक दर्शन है। सिद्ध कीजिए।

7. Describing the features and kinds of Kaal, state the importance of Kaal in Ayurveda.

काल का लक्षण एवं भेद का वर्णन करते हुए आयुर्वेद में काल का महत्व बताइये।

8. Describing the kinds of Nyayokta karma, state the practical application of Karma in Ayurveda.

न्यायोक्त कर्म के भेद का वर्णन करते हुए, आयुर्वेद में कर्म की व्यवहारिक उपयोगिता बताइये।

9. Explain the features of Dravya. Describe in detail Panchmahabhootas.

द्रव्य के लक्षण को स्पष्ट करते हुए पंचमहाभूतों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

----- X -----



Q

Printed Pages : 4

BAMS (I<sup>ST</sup> Prof.)

Roll No. : 1830708101030

8002

BAMS (I<sup>ST</sup> Prof.) Examination, 2018

( New Course )

**PADARTH VIGYAN EVAM AYURVED KA  
ITIHAS-II**

[ Second Paper ]

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

**Note :** This question paper is divided into three sections-A, B and C. Follow instructions given in each section. Section A, B and C are of 20, 20 and 60 marks respectively.

**नोट :** यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों अ, ब एवं स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों का पालन कीजिए। खण्ड अ, ब एवं स क्रमशः 20, 20 एवं 60 अंकों के हैं।

Section-A / खण्ड-अ

(Very Short Answer Type Questions)

(अति लघुउत्तरीय प्रश्न)

**Note :** This section contains only one question which consists

8002/220

( 1 )

[P.T.O.]

of **ten** sub-questions. **All** sub-questions are **compulsory**.  
Word limit for each sub-question is **30** words. Each sub-  
question carries **2** marks. This Section will be covering  
whole syllabus.

नोट : इस खण्ड में एक प्रश्न है, जिसके दस उप-प्रश्न हैं। इसमें प्रत्येक  
उप-प्रश्न की शब्द सीमा 30 शब्द है। इस खण्ड के सभी उप-प्रश्न  
अनिवार्य हैं। प्रत्येक उप-प्रश्न 2 अंकों का है। इस खण्ड में प्रश्न  
समस्त पाठ्यक्रम से होंगे।

1. ~~(a)~~ Write the importance of Pratyaksha Pramana.

प्रत्यक्ष प्रमाण का महत्व बताइए।

(b) Shakti graha

शक्ति ग्रह

~~(c)~~ Nighantu

निघण्टु

~~(d)~~ Panchavayava

पंचावयव

~~(e)~~ Madhava Nidan

माधव निदान



(f) Ashta Prakriti

अष्ट प्रकृति

(g) Hatvabhasa

हेत्वाभास

(h) Prama

प्रमा

(i) Lakshana of Upamana

उपमान का लक्षण

(j) Drishtanta

दृष्टान्त

### Section-B / खण्ड-ब

(Short Answer Type Questions)

(लघुउत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस खण्ड में कुल चार प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है। उत्तर 100 शब्दों में सीमित हो। इस खण्ड में भी प्रश्न समस्त पाठ्यक्रम से होंगे।

2. आयुर्वेद में अनुमान प्रमाण की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।
3. असत्कार्यवाद का वर्णन कीजिए।
4. इन्द्रिय-सन्निर्ष का वर्णन कीजिए।
8. कार्य-कारण वाद को स्पष्ट करते हुए आयुर्वेद में उसका महत्व बताइए।

**Section-C / खण्ड-स**

**(Long Answer Type Questions)**

**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**

नोट : इस खण्ड में कुल चार प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है। उत्तर 300 शब्दों में सीमित हो। इस खण्ड में भी प्रश्न समस्त पाठ्यक्रम से होंगे।

6. चरक संहिता का संक्षेप में परिचय देते हुए चक्रपाणि के योगदान का वर्णन कीजिए।
7. राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय आयुर्वेदीय पत्र-पत्रिकाओं का वर्णन कीजिए।
8. आप्तोपदेश प्रमाण को स्पष्ट करते हुए शब्द एवं उसके प्रकार का वर्णन कीजिए।
9. स्वभावोपरमवाद एवं क्षणभंगुरवाद का वर्णन कीजिए।



Q

Printed Pages : 4

B.A.M.S. ( Prof.-I )

Roll No. : 1930708101053

**8001**

**B.A.M.S. (Prof.-I ) Examination, 2019**

**(New Course)**

**( Padarth Vigyan Evam Ayurved Ka Itihas-I )**

**[ First Paper ]**

**Time : Three Hours]**

**[Maximum Marks : 100**

नोट : यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों अ, ब एवं स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों का पालन कीजिए। खण्ड अ, ब एवं स क्रमशः 20, 20 एवं 60 अंकों के हैं। अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखें जाएँ।

**खण्ड-अ**

**(अति लघुउत्तरीय प्रश्न)**

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

**[10x2=20]**

8001/120

**( 1 )**

**[P.T.O.]**

1. आयुर्वेद का लक्षण लिखिए।
2. सांख्य और वैशेषिक दर्शन के प्रणेता लिखिए।
3. कफ एवं पित्त शब्द की निरुक्ति लिखिए।
4. पंचमहाभूतों के भौतिक गुण लिखिए।
5. पृथ्वी महाभूत के लक्षण लिखिए।
6. गुणों की संख्या लिखिए।
7. मन के गुण लिखिए।
8. पदार्थ के प्रकार लिखिए।
9. एकवृत्ति सामान्य लिखिए।
10. पाँच शारीर गुणों का नाम लिखिए।

#### खण्ड-ब

#### (लघुउत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस खण्ड में कुल चार प्रश्न, प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखिए : [4x5=20]

11. काल किसे कहते हैं। भेद लिखिए।



12. बौद्ध दर्शन के सिद्धान्त लिखिए।
13. तम दशम द्रव्य है या नहीं? प्रमाणित कीजिए।
14. न्यायोक्त कर्म लिखिए।

खण्ड-स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस खण्ड में कुल चार प्रश्न, प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 300 शब्दों में लिखिए। [15x4=60]

15. गुण का लक्षण एवं प्रकार वर्णन करते हुए परादि गुणों का वर्णन कीजिए।
16. आयुर्वेदोक्त आत्मा के प्रकार भेदों का वर्णन कीजिए।
17. द्रव्य के लक्षण और प्रकार भेद का वर्णन कीजिए।
18. सामान्य के लक्षण और प्रकार का विवरण प्रस्तुत करते हुए चिकित्सा में उपयोगिता लिखिए।

----- x -----

Q

Printed Pages : 4

B.A.M.S. ( Prof.-I)

Roll No. : 1930708101053

**8002**

**B.A.M.S. ( Prof.-I ) Examination, 2019**

**(New Course)**

**PROFESSIONAL**

**[ Second Paper ]**

**( Padarth Vigyan Avam Ayurved ka Itihas - II )**

**Time : Three Hours]**

**[Maximum Marks : 100**

नोट : यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों अ, ब एवं स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों का पालन कीजिए। खण्ड अ, ब एवं स क्रमशः 20, 20 एवं 60 अंकों के हैं। अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों, तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

**खण्ड-अ**

**(अति लघुउत्तरीय प्रश्न)**

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

**[2x10=20]**

1. a. व्याप्ति

8002/240

( 1 )

**[P.T.O.]**



- b. परिणामवाद
- c. पिठरपाक
- d. नागार्जुन
- e. प्रत्यक्ष के प्रकार
- f. लिंग परामर्श
- g. पच्चावयव
- h. हेत्वाभास
- i. आरम्भवाद
- j. परीक्षा

खण्ड-ब

(लघुउत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में लिखिए।  
प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। [10x2=20]

2. प्रत्यक्ष प्रमाण का वर्णन करते हुए षड्सन्निकर्ष का उल्लेख कीजिए।
3. इतिहास की निरुक्ति एवं परिभाषा का वर्णन करते हुए अर्थापत्ति, सम्भव प्रमाण का परिचय दीजिए।



**COLLECTION OF VARIOUS**  
**-> HINDUISM SCRIPTURES**  
**-> HINDU COMICS**  
**-> AYURVEDA**  
**-> MAGZINES**

**FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)**

**Made with**



**By**

**Avinash/Shashi**

**[creator of  
hinduism  
server]**

 **KAPWING**



खण्ड-स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है।

[15x4=60]

4. कार्य कारण का विस्तृत वर्णन करते हुये आयुर्वेद में उपयोगिता लिखिये।
5. आयुर्वेद की उन्नति के परिपेक्ष्य में विश्व स्वास्थ्य संगठन का क्रिया-कलाप एवं परिचय दीजिये।
6. क्षणभंगुरवाद एवं स्वभावपरमवाद।
7. प्रमाण की परिभाषा, लक्षण, महत्व बतलाकर युक्ति प्रमाण का वर्णन कर आयुर्वेद में उपयोगिता पर प्रकाश डालिये।

----- X -----